हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-59 शुक्रवार 28 फरवरी 2025 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

सीएसए ने मनाया शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस

संवाददाता

कानपुर – चंद्रशेखर आजाद कृषि उत्पादन विश्वविद्यालय कानपुर में आज शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के बलिदान दिवस को मनाया गया। तत्पश्चात शहीद चंद्रशेखर आजाद की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रध्दांजलि दी। इसके बाद कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने आजाद द्वारा देश को आजादी दिलाने के लिए किए गये कार्यों को याद किया।

इस दौरान उन्होंने शहीद चंद्रशेखर आजाद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजाद महान क्रांतिकारी और प्रखर देशभक्त थे। एक वार ब्रिटिश सिपाहियों ने बालक चंद्रशेखर आजाद को गिरफ्तार कर जब अदालत में पेश किया तो बालक चंद्रशेखर आजाद ने जज के पूछने पर खुद का नाम आजाद बताया पिता का नाम स्वाधीनता और घर का पता जेलखाना बताया। जज भी आजाद की निर्भिकता आत्मविश्वास और देशभक्ति को देखकर अचरज में पढ़ गए और क्रोधित होकर आजाद को 15 कोड़ों की सजा सुना दी। आजाद सजा के दौरान भारत माता की जय बोलते रहे और इसके बाद आजाद ने जीते जी कभी भी ब्रिटिश सिपाहियों के हाथ नहीं आने की प्रतिज्ञा ली। आजाद कहते थे ब्रिटिश हुकूमत के पास ऐसी कोई गोली नहीं बची जो आजाद की जान ले सके। 27 फरवरी 1931 को किसी मुखबिर की सुचना पर अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश सिपाहियों ने आजाद को चारों तरफ से घेरकर गोलियाँ चलाना शुरू कर दिया। आजाद ने जमकर मुकाबला

किया। लेकिन, जब आजाद की पिस्टल में आखिरी गोली बची थी तो अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने के लिए आजाद ने आखिरी गोली अपने सिर में मार ली और इस तरह वीरगती को प्राप्त हुए।इस दौरान उपस्थित सभी शिक्षकों/वैज्ञानिकों/अधिकारियो एवं कर्मचारियों ने चंद्रशेखर आजाद अमर रहे का जयघोष किया। तथा दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस अवसर पर डॉ पीके सिंह निदेशक शोध, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार,निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, अधिष्ठाता गगृह विज्ञान डॉक्टर मुक्त गर्ग, डॉ नौशाद खान डॉक्टर पी के राठी, डॉक्टर वी के कनौजिया, डॉक्टर आशीष कुमार श्रीवास्तव एवं डॉक्टर आरपीएन सिंह सहित विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

www.worldkhabarexpress.media | www.worldkhabarexpress.com गुरुवार, 27 फरवरी 2025, अंक : 530

WORLD

Daily Evening E-Paper

खबर एक्सप्रेस

सीएसए में मनाया गया चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि उत्पादन विश्वविद्यालय कानपुर में शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने आजाद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजाद महान क्रांतिकारी और प्रखर देशभक्त थे।

आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के भावरा में हुआ था। वह बचपन से ही निर्भीक और देशभक्त थे। एक बार उन्हें अंग्रेज सिपाहियों ने गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वाधीनता, और घर का पता जेलखाना बताया था। इसके बाद उन्हें 15 कोड़ों की सजा सुनाई गई थी।

आजाद ने अपना जीवन भारत माँ की आजादी के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने हिंदुस्तान रिपब्लिकन असोसिएशन क्रांतिकारी दल में शामिल होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। 27 फरवरी 1931 को अल्फ्रेड पार्क में अंग्रेज सिपाहियों ने उन्हें घेरकर गोलियाँ चलाईं, लेकिन आजाद ने जमकर मुकाबला किया। जब उनकी पिस्टल में आखिरी गोली बची, तो उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने के लिए उसे अपने सिर में मार ली। इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, और कर्मचारियों ने चंद्रशेखर आजाद अमर रहे का जयघोष किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के राठी, डॉक्टर वी के कनौजिया, डॉक्टर आशीष कुमार श्रीवास्तव एवं डॉक्टर आरपीएन सिंह आदि मौजूद रहे।

DT दीनार टाइम्स

आज का पंचांग

28 फरवरी 2025

सूर्य उदय 05:35:02

सूर्यास्त 18:13:25

अरुण पांडे (गुरुजी)

मेष ARIES (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

लंबी अवधि की आर्थिक योजना के लिए अनुकूल दिन है। आर्थिक और व्यवसायिक दृष्टि से दिन लाभदायक है। शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव करेंगे।

वृषभ TAURUS (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

आज आपकी वाणी का जादू आपको लाभ दिलाएगा। नए संबंध स्थापित करने में सहायता मिलेगी। शुभ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। साहित्यिक प्रवृत्तियों में अभिरुचि बढ़ेगी।

मिथुन GEMINI (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

दुविधा में उलझा हुआ आपका मन महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले सकेगा। वैचारिक तूफानों से मानसिक अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। अत्यधिक भावनाशीलता आपकी दृढ़ता को कमजोर करेगी।

कर्क CANCER (ही, हू, हे, हो, ड, डी, ढ़, डे, डो)

शारीरिक और मानसिक ताजगी के साथ घर में भी आनंद का वातावरण रहेगा। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। दोस्तों से लाभ होगा। शुभ कार्य का आरंभ करने के लिए आज का दिन अनुकूल है।

सिंह LEO (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुख-शांति से दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। स्त्री मित्रों से विशेष मदद प्राप्त कर सकेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ संपर्क लाभदायक साबित होंगे।

कन्या VIRGO (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

आज के लाभदायक दिन से आपकी वैचारिक समृद्धि बढ़ेगी। वाकपटुता और मीठी वाणी से आप लाभप्रद सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित कर सकेंगे। उत्तम भोजन, भेंट उपहारों और वस्त्रों की प्राप्ति होगी।

तुला LIBRA (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

आज के दिन जरा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकता है। दुर्घटना से बचें। वाणी की शिथिलता ऊंचा तकरार कराएंगी, ऐसी संभावना है।

वृश्चिक SCORPIO (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

नौकरी-धंधे या व्यवसाय में लाभ प्राप्त होगा। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन करेंगे। विवाहोत्सुक युवक-युवतियों को सुनहरे अवसर मिलेंगे। पुत्र और पत्नी से लाभ होगा।

धनु SAGITTARIUS (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ, भे)

आज का दिन शुभ फल प्रदान करनेवाला है, गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। प्रत्येक कार्य में सफलता प्राप्त होगी। ऊपरी अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे। पिता और बड़ों से लाभ होने की संभावना है।

मकर CAPRICORN (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)

मिलाजुला रहेगा आज आपका दिन। बौद्धिक कार्य और व्यवसायिक क्षेत्र में आप नए विचारों से प्रभावित होंगे और उन्हें अपनाएंगे। सृजनात्मक क्षेत्र में सृजनशक्ति का भी आप परिचय देंगे।

कुंभ AQUARIUS (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

अनैतिक कृत्यों से दूर रहें, वाणी पर संयम रखें। इससे पारिवारिक घर्षण को टाल सकेंगे। प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु या घटना को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखिएगा।

मीन PISCES (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

दैनिक कार्यों से छूटकर आज बाहर घूमने-फिरने और मनोरंजन प्रवृत्तियों के लिए समय निकालेंगे। परिजन और मित्रों का भी साथ मिलेगा जो आपके और उनके दोनों के लिए आनंदप्रद रहेगा।

आजाद महान क्रांतिकारी और प्रखर देशभक्त थे

सीएसए ने मनाया शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस

डी टी एन एन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि उत्पादन विश्वविद्यालय कानपुर में आज शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के बलिदान दिवस को मनाया गया। तत्पश्चात शहीद चंद्रशेखर आजाद की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रध्दांजलि दी। इसके बाद कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने आजाद द्वारा देश को आजादी दिलाने के लिए किए गये कार्यों को याद किया। इस दौरान उन्होंने शहीद चंद्रशेखर आजाद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजाद महान क्रांतिकारी और प्रखर देशभक्त थे। एक वार ब्रिटिश सिपाहियों ने बालक चंद्रशेखर आजाद को गिरफ्तार कर जब अदालत में पेश किया तो बालक चंद्रशेखर आजाद ने जज के पूछने पर खुद का नाम आजाद बताया पिता का नाम स्वाधीनता और घर का पता जेलखाना बताया। जज भी आजाद की निर्भिकता आत्मविश्वास और देशभक्ति को देखकर अचरज में पड़ गए और क्रोधित होकर आजाद को 15 कोड़ों की सजा सुना दी।

आजाद सजा के दौरान भारत माता की जय बोलते रहे और इसके बाद आजाद ने जीते जी कभी भी ब्रिटिश सिपाहियों के हाथ नहीं आने की प्रतिज्ञा ली। आजाद कहते थे ब्रिटिश हुकूमत के पास ऐसी कोई गोली नहीं बची जो आजाद की जान ले सके। 27 फरवरी 1931 को किसी मुखबिर की सुचना पर अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश सिपाहियों ने आजाद को चारों तरफ से घेरकर गोलियाँ चलाना शुरू कर दिया। आजाद ने जमकर मुकाबला किया। लेकिन, जब आजाद की पिस्टल में आखिरी गोली बची थी तो अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने के लिए आजाद ने आखिरी गोली अपने सिर में मार ली और इस तरह वीरगती को प्राप्त हुए।

इस दौरान उपस्थित सभी शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियो एवं कर्मचारियों ने चंद्रशेखर आजाद अमर रहे का जयघोष किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के राठी, डॉक्टर वी के कनौजिया, डॉक्टर आशीष कुमार श्रीवास्तव एवं डॉक्टर आरपीएन सिंह आदि मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 247 कानपुर, शुक्रवार 28 फरवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि वैज्ञानिकों हेतु दो दिवसीय दक्षता प्रशिक्षण का शुभारंभ

कानपुर ! सीएसए के प्रसार निदेशालय से कृषि वैज्ञानिकों का दो दिवसीय (27 से 28 फरवरी 2025) दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम कृषि में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए अवश्य प्रेरित करें।इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को नई तकनीक दें तथा सभी कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों से समन्वय बनाकर कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मसाले व उद्यानकीकरण से किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक अपने जनपदों की आवश्यकता, परिस्थितियां तथा संसाधनों के आधार पर कृषि तकनीक को खेती में प्रयोग करें। आईसीएआर अटारी की वैज्ञानिक डॉ. सीमा यादव ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को संतुलित इनपुट प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें, जिससे कि टिकाऊ खेती हो सकें। उन्होंने पशुधन की नई नस्ल व फसल प्रणाली में बदलाव को जरूरी बताया। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों व किसानों के मध्य ब्रिज की तरीके से कार्य कर रहे तकनीकियों के बारे में वैज्ञानिकों को बताया। उन्होंने कहा कि समय के हिसाब से किसानों को भी बदलना चाहिए तभी उनकी आय बढ़ेगी। फसल भी अच्छी होगी इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार

हैं। इस मौके पर कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. वीके कन्नौजिया ने किया। कार्यक्रम मे कृषि श्रीवास्तव, डॉ. एसएल वर्मा सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

पुलिस ने पांच शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

कानपुर । फैक्ट्री एरिया चौकी प्रभारी अंकुर मालिक उनके सहयोगी पुलिस टीम द्वारा पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया फैक्ट्री एरिया चौकी इंचार्ज अंकुर मालिक की टीम ने पांच चोरों को किया गिरफ्तार शातिर चोर गोविंद नगर के रहने वाले हैं जो कि क्षेत्र में घूम घूम कर चोरी किया करते है बीते दिनों फैक्ट्री एरिया क्षेत्र से ताला तोड़कर तौलने वाला कांटा दो बांट दो किलो, दो बांट 1 किलो ,2 बांट आधा किलो, दो बांट 200 ग्राम,एक बांट 100 ग्राम का एक फर्राटा पंखा चोरी की घटना को अंजाम दिया फैक्ट्री एरिया चौकी प्रभारी अंकुर मलिक व उनकी पूरी टीम ने ऑपरेशन त्रिनेत्र व सर्विलांस की मदद से पांचो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया पकड़े गए चोरों के पास से चोरी का माॅल भी बरामद किया गया शातिर चोरों के पकड़े जाने से क्षेत्रवासियों ने ली चैन की सांस ली।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 28 फरवरी • 2025

मसाले व उद्यानकीकरण से आय दोगुनी कर सकते हैं किसान

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशालय में गुरुवार को कृषि वैज्ञानिकों का दो दिवसीय रबी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि कृषकों को नई तकनीक दें एवं सभी कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों से समन्वय बनाकर कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मसाले व उद्यानकीकरण से किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक अपने जनपदों की आवश्यकता, परिस्थितियां एवं संसाधनों के आधार पर कृषि तकनीक को खेती में प्रयोग करें। आईसीएआर अटारी की वैज्ञानिक डॉ. सौम्या यादव ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को संतुलित उर्वरक प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें, जिससे कि टिकाऊ खेती हो सके। उन्होंने पशुधन की नई नस्ल व पालन प्रणाली से कृषकों को अवगत कराया। निदेशक प्रसार डॉ. आर.के. यादव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों व किसानों के मध्य सेतु की तरीके से कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. वीके कनौजिया ने किया। कार्यक्रम में कृषि तकनीकियों के बारे में वैज्ञानिकों को बताया। उन्होंने कहा कि समय के हिसाब से किसानों को भी बदलाव चाहिए, तभी उनकी आय बढ़ेगी। फसल भी अच्छी होगी।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य

वर्षः 15 | अंक :39 | कानपुर, शुक्रवार 28 फरवरी 2025 | RNI UPHIN/2010/47220 | पृष्ठ : 4

सीएसए में कृषि वैज्ञानिकों हेतु दो दिवसीय दक्षता प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी (चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज से कृषि वैज्ञानिकों का दो दिवसीय (27 से 28 फरवरी 2025) दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम कृषि में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए अवश्य प्रेरित करें।इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को नई तकनीक दें तथा सभी कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों से समन्वय बनाकर कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मसाले व उद्यानकीकरण से किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक अपने जनपदों की आवश्यकता, परिस्थितियां तथा संसाधनों के आधार पर कृषि तकनीक को खेती में प्रयोग करें। आईसीएआर अटारी की वैज्ञानिक डॉ. सीमा यादव ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को संतुलित इनपुट प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें, जिससे कि टिकाऊ खेती हो सकें। उन्होंने पशुधन की नई नस्ल व फसल प्रणाली में बदलाव को जरूरी बताया। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों व किसानों के मध्य ब्रिज की तरीके से कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. वीके कन्नौजिया ने किया। कार्यक्रम मे कृषि तकनीकियों के बारे में वैज्ञानिकों को बताया। उन्होंने कहा कि समय के हिसाब से किसानों को भी बदलना चाहिए तभी उनकी आय बढ़ेगी। फसल भी अच्छी होगी।इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. एसएल वर्मा सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-59 शुक्रवार 28 फरवरी 2025 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

सीएसए में कृषि वैज्ञानिकों हेतु दो दिवसीय दक्षता प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज से कृषि वैज्ञानिकों का दो दिवसीय (27 से 28 फरवरी 2025) दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम कृषि में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए अवश्य प्रेरित करें।इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को नई तकनीक दें तथा सभी कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों से समन्वय बनाकर कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मसाले व उद्यानकीकरण से किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक अपने जनपदों की आवश्यकता, परिस्थितियां तथा संसाधनों के आधार पर कृषि तकनीक को खेती में प्रयोग करें। आईसीएआर अटारी की वैज्ञानिक डॉ. सीमा यादव ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को संतुलित इनपुट प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें, जिससे कि टिकाऊ खेती हो सकें। उन्होंने पशुधन की नई नस्ल व फसल प्रणाली में बदलाव को जरूरी बताया। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों व किसानों के मध्य ब्रिज की तरीके से कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. वीके कन्नौजिया ने किया। कार्यक्रम मे कृषि तकनीकियों के बारे में वैज्ञानिकों को बताया। उन्होंने कहा कि समय के हिसाब से किसानों को भी बदलना चाहिए तभी उनकी आय बढ़ेगी। फसल भी अच्छी होगी।इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. एसएल वर्मा सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए अवश्य प्रेरित करें

डीटीएनएन कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज से कृषि वैज्ञानिकों का दो दिवसीय (27 से 28 फरवरी 2025) दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम कृषि में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए अवश्य प्रेरित करें इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को नई तकनीक दें तथा सभी कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों से समन्वय बनाकर कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मसाले व उद्यानकीकरण से किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक अपने जनपदों की आवश्यकता, परिस्थितियां तथा

संसाधनों के आधार पर कृषि तकनीक को खेती में प्रयोग करें। आईसीएआर अटारी की वैज्ञानिक डॉ. सीमा यादव ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को संतुलित इनपुट प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें, जिससे कि टिकाऊ खेती हो सकें। उन्होंने पशुधन की नई नस्ल व फसल प्रणाली में बदलाव को जरूरी बताया। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों व किसानों के मध्य ब्रिज की तरीके से कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. वीके कन्नौजिया ने किया। कार्यक्रम मे कृषि तकनीकियों के बारे में वैज्ञानिकों को बताया। उन्होंने कहा कि समय के हिसाब से किसानों को भी बदलना चाहिए तभी उनकी आय बढ़ेगी। फसल भी अच्छी होगी इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. एसएल वर्मा सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक उपस्थित रहे। भोजन के बाद स्वयंसेवक गांव में ग्रामीणों के घर गए एवं ग्रामीणों से खान पान एवं पीने के पानी की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

शिविर में नाश्ते, भोजन बनाने तथा बर्तनों एवं परिसर की साफ सफाई स्वयंसेवकों द्वारा स्वयं की जा रही है।

सांय को सभी स्वयंसेवकों ने द्वितीय दिवस के अपने अनुभव सभी से साझा किए।

सांय एक स्वयंसेवक लक्ष्मी का जन्मदिन भी सभी ने मिलकर मनाया।

कल शिविर के तृतीय दिन जीएसवीएम मेडिकल कालेज कानपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष कुमार बर्मन स्वयं सेवकों को बीमारियों से बचने के उपाय, एलपी एस इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी, कानपुर के प्रो. अवधेश कुमार शर्मा हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय बताएंगे, तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पुष्पा ममोरिया डिजिटल भारत के संबंध में जानकारी देंगे। इसके साथ ही साथ सांय को एक सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

अंक-355 कानपुर, शुक्रवार 28 फरवरी 2025 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

facebook aajkakanpur aajkakanpur 83033 31758 aajkakanpur@gmail.com rediff aajkakanpur

कृषि वैज्ञानिकों हेतु दो दिवसीय दक्षता प्रशिक्षण का शुभारंभ

आज का कानपुर

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय से कृषि वैज्ञानिकों का दो दिवसीय (27 से 28 फरवरी 2025) दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ यह कार्यक्रम कृषि में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए था कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया डॉ सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए अवश्य प्रेरित करें इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ आनन्द कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से कहा कि कृषकों को नई तकनीक दें तथा सभी कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों से समन्वय बनाकर कृषकों को कृषि विविधिकरण के लिए प्रेरित करें उन्होंने कहा कि मसाले व उद्यानकीकरण से किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक अपने जनपदों की आवश्यकता, परिस्थितियां तथा संसाधनों के आधार पर कृषि तकनीक को खेती में प्रयोग करें आईसीएआर अटारी की वैज्ञानिक डॉ. सीमा यादव ने बताया कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को संतुलित इनपुट प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें, जिससे कि टिकाऊ खेती हो सकें उन्होंने पशुधन की नई नस्ल व फसल प्रणाली में बदलाव को जरूरी बताया निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक शोध संस्थानों व किसानों के मध्य ब्रिज की तरीके से कार्य कर रहे हैं इस मौके पर कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. वीके कन्नौजिया ने किया कार्यक्रम मे कृषि तकनीकियों के बारे में वैज्ञानिकों को बताया उन्होंने कहा कि समय के हिसाब से किसानों को भी बदलना चाहिए तभी उनकी आय बढ़ेगी फसल भी अच्छी होगी इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. एसएल वर्मा सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।